

दि. 31/11/22 को पेश की

→

03/11

पत्रावली पेश हुई। पत्रा. प्रवन्धितार  
दि. 10.11.22 को पेश हो

→

10/11

पत्रावली पेश हुई। पत्रावली का मूल  
शुद्धा राष्ट्रीय लोक अदालत की भावना  
से राष्ट्रीय लोक अदालत दि. 12/11/22 को  
रखा गया है पत्रा.  
दि. 12.11.22 को पेश हो

→

12/11

पत्रावली पेश हुई। इस प्रथम पत्र का  
मूल बाद मोरप्रेस में राष्ट्रीय लोक अदालत  
की भावना से स्वारिज करा गया है। मूल  
मूल बाद के स्वारिज होने की शैली  
में यह प्रथम पत्र भी इसी स्वरूप  
स्वारिज किया गया है पत्रावली को  
शुद्धा लेकर दाखिल दफ्तर हो

→  
सकस्य  
राष्ट्रीय लोक अदालत

→  
उपखण्ड अधिकारी  
राज्य  
अध्यक्ष  
राष्ट्रीय लोक अदालत